REGIONAL DEVELOPMENT IN INDIA: ISSUES, CHALLENGES AND PROSPECT

REGIONAL DEVELOPMENT IN INDIA: ISSUES, CHALLENGES AND PROSPECT

Editors:

Prof. Anil Kumar Sinha

Head of Department (Geography)
Rajiv Gandhi Govt. P.G. College
Ambikapur, Surguja (Chhattisgarh)

Dipika Swarnkar

Assistant Professor (Geography)
Rajiv Gandhi Govt. PG College
Ambikapur, Surguja (Chhattisgarh)

2026

Siddhi Vinayak Publications

Publisher :

Siddhi Vinayak Publications
Kulchander, Hanumangarh (Rajasthan) 335063
83063-09470, 94611-09470
publicationssiddhivinayak@gmail.com

ISBN : 978-81-982071-4-2

© Editors and Publisher

Edition : 2026

Price : ₹ 1499.00

Book Design, Typesetting & Layout: Kamal Jeet Singh

Publication Management: Dr. Dinesh Kumar Jakhar

Printer : Siddhi Vinayak Publications
(Printed Through: Ican Technosolutions)

Statutory Warning

- The information, news, knowledge, and facts published in this book have been thoroughly verified. However, if any information or fact has been published incorrectly, the publisher, author, or printer shall not be held responsible for any damage caused to any individual or organization.
- We believe that the material published in this book has been originally written by the author. In case of any copyright violation, the publisher shall not be held liable. Any disputes arising will be subject to the jurisdiction of Hanumangarh, Rajasthan.
- The author, publisher, printer, or seller shall not be liable for any damage or grievance caused by any omission or error in the facts or details published in the book.
- All Rights Reserved. No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted in any form or by any means—electronic, mechanical, photocopying, recording, or otherwise (except for mentions in reviews or edited excerpts in the media)—without the written permission of the publisher. Reproduction, photocopying, scanning, or reprinting of any part of this book through any means without the written permission of the publisher and author is a punishable offense under the Copyright Act.

S.N.	Title	Pages
	प्राक्कथन	(vii) – (viii)
1	क्षेत्रीय ग्रामीण विकास की संकल्पना एवं अवयव – **डॉ. गणेश कुमार पाठक**	**1 – 10**
2	Chhattisgarh: An Analytical Approach to Sustainable Development Goals (SDGs). **- Dr. Ashis Kumar Majhi,** **Dr. Kaveri Dabhadkar, Dr. Sushila Ekka**	**11 – 25**
3	भारत में भूस्वामित्व एवं जोताकार का कृषि विकास पर प्रभाव – **दीपिका स्वर्णकार, डॉ. अनिल कुमार सिन्हा**	**26 – 34**
4	छत्तीसगढ़ में जनजातीय परम्परा और सतत् विकास – **ओम प्रकाश पटेल,** **डॉ. कल्पना लाम्बे, डॉ. पूर्णिमा शुक्ला**	**35 – 41**
5	जशपुर जिला (छ.ग.) में प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग एवं नियोजन **– डॉ. अजीत कुमार यादव**	**42 – 54**
6	Nature of Agricultural Development & Future Planning Strategies in Jashpur District, Chhattisgarh State. **- Dr. Rajib Jana, Ambikesh Swarnkar**	**55 – 68**
7	Remote sensing and GIS applications in Crop Mapping (NDVI) **- Saraswati Devi Bervanshi**	**69 – 78**
8	क्षेत्रीय योजना एवं ग्रामीण विकासः बलरामपुर जिला (छत्तीसगढ) के संदर्भ में – **ओमकार कुशवाहा**	**79 – 87**
9	ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा एवं सुविधाओं का स्थानिक संगठनः पूर्वी शिवनाथ बेसिन का वस्तु स्थिति अध्ययन – **सेवन कुमार भारती**	**88 – 96**
10	बलौदाबाजार–भाटापारा जिले के पलारी विकासखण्ड में ग्रामीण लाभार्थियों पर महतारी वंदन योजना के प्रभाव का एक विश्लेषणात्मक अध्ययन – **शैलेन्द्र कुमार वर्मा**	**97 – 111**
11	बलरामपुर–रामानुजगंज जिला (छ.ग.) में ग्रामीण विकास कार्यक्रमों का अभिप्रभाव **– प्रेमचन्द यादव**	**112 – 124**

12	बलरामपुर-रामानुजगंज जिला (छ.ग.) में मानव विकास की समस्याएं एवं समाधान **– मनीष कुमार यादव**	**125 – 133**
13	**भारत में क्षेत्रीय विकासः मुद्दे, चुनौतियाँ और संभावनाएँ** **– डॉ. कुबेर सिंह गुरुपंच**	**134 – 138**
14	छत्तीसगढ़ में सतत विकास की सम्भावनाएं एव चुनौतियां **– नरेन्द्र कुमार साकरे, डॉ. श्रद्धादेवी साहू**	**139 – 143**
15	Remote Sensing and GIS Applications for Regional Planning. **- Bhupendra Kumar Soni, Raghavendra Patidar, Manoj Tiwari**	**144 – 155**
16	डिजिटल सशक्तिकरण और क्षेत्रीय संपर्क : छत्तीसगढ़ के ग्रामीण क्षेत्रों के विशेष संदर्भ में **– डॉ. पूजा गुप्ता**	**156 – 159**
17	Environmental Degradation V/S Sustainable Development Bridging Environmental Degradation and Sustainable Development: Use of Modified Nilgiri Bark as a Green Biosorbent for Scavenging Nickel Ions from Industrial Waste Water. **- Dr. Rashmi Charyani**	**160 – 173**
18	सतत् विकास हेतु महिला सशक्तिकरण में सावित्रीबाई फुले की भूमिका का विश्लेषणात्मक अध्ययन **– सुश्री रेखा कुमारी**	**174 – 180**
19	ग्रामीण क्षेत्रों के पर्यावरण पारिस्थितिकीय पर तालाबों का प्रभाव : बागबाहरा विकास खण्ड के संदर्भ में **- Kishor Kumar Kathar**	**181 – 188**
20	Economic Analysis of Non-Timber Forest Products (NTFPs) of Plant Origin in Chhattisgarh: Livelihood Implications and Market Dynamics. **- Lokesh Sagar**	**189 – 194**
21	Tourism Development, Heritage and Cultural Structures. **- Shivender**	**195 – 213**

प्राक्कथन

भारत एक विशाल एवं विविधतापूर्ण देश है, जहाँ प्रत्येक क्षेत्र अपनी भौगोलिक संरचना, प्राकृतिक संसाधनों, सांस्कृतिक विशेषताओं तथा सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों के आधार पर विशिष्ट पहचान रखता है। क्षेत्रीय विकास की अवधारणा केवल आर्थिक उन्नति तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक समरसता, संसाधनों के न्यायसंगत वितरण, पर्यावरणीय संतुलन तथा समावेशी प्रगति से भी जुड़ी हुई है। वर्तमान समय में जब भारत तीव्र विकास के पथ पर अग्रसर है, तब क्षेत्रीय असमानताओं, संसाधनों के असंतुलित उपयोग तथा विकास की विषमताओं का अध्ययन अत्यंत प्रासंगिक हो जाता है।

प्रस्तुत पुस्तक "Regional Development in India: Issues, Challenges and Prospect" क्षेत्रीय विकास के विविध आयामों को समग्रता से प्रस्तुत करने का एक विनम्र प्रयास है। इस पुस्तक में संकलित शोध आलेख देश के विभिन्न क्षेत्रों की विकासात्मक स्थिति, चुनौतियों एवं संभावनाओं का विश्लेषण करते हैं। इसमें ग्रामीण एवं नगरीय विकास, सतत विकास, महिला सशक्तिकरण, जनजातीय विकास, पर्यावरणीय संरक्षण, कृषि परिवर्तन, डिजिटल सशक्तिकरण, स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, भारतीय ज्ञान परंपरा तथा रिमोट सेंसिंग एवं GIS आधारित क्षेत्रीय नियोजन जैसे समसामयिक विषयों को समाहित किया गया है।

इस पुस्तक के माध्यम से यह स्पष्ट करने का प्रयास किया गया है कि क्षेत्रीय विकास केवल आधारभूत संरचनाओं के विस्तार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानवीय विकास, सामाजिक न्याय तथा सतत भविष्य की स्थापना का आधार है। पुस्तक में सम्मिलित शोधपत्रों के माध्यम से क्षेत्रीय विकास की जटिलताओं को समझने तथा उनके व्यावहारिक समाधान सुझाने का प्रयास किया गया है।

हमें विश्वास है कि यह पुस्तक विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, नीति-निर्माताओं एवं विकास अध्ययन के विशेषज्ञों के लिए उपयोगी सिद्ध होगी। यह न केवल शैक्षणिक दृष्टि से

महत्त्वपूर्ण है, बल्कि क्षेत्रीय विकास की नीतियों एवं योजनाओं के निर्माण में भी सहायक होगी।

इस पुस्तक के प्रकाशन में सहयोग प्रदान करने वाले सभी विद्वानों, शोधार्थियों एवं Siddhi Vinayak Publications, Rajasthan के प्रति हम हृदय से आभार व्यक्त करते हैं। विशेष रूप से उन सभी लेखकों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हैं, जिनके शोधपरक योगदान से यह पुस्तक समृद्ध हुई है।

हम आभारी हैं राजीव गांधी शासकीय स्नात्तकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर, छत्तीसगढ़ के स्वशासी योजना का जहां से अकादमिक उन्नयन के तहत वित्तीय सहयोग प्राप्त हुआ और यह पुस्तक प्रकाशित हो सकी है।

हम आशा करते हैं कि यह पुस्तक क्षेत्रीय विकास के विमर्श को नई दिशा प्रदान करेगी तथा भविष्य में इस विषय पर और अधिक शोध एवं चिंतन को प्रेरित करेगी।

Ambikapur
Date : 30.03.2026

प्रो. अनिल कुमार सिन्हा
दीपिका स्वर्णकार